

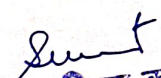
फर्द अहकाम

अज अदालत मुकाम
 वनाम
 किस्म मुकदमा नं० सन्

तारीख हुकम	<p style="text-align: center;">रामचन्द्रकाय १/५ फूल्पा हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज मु० नं० - २५४/२२ नं०</p>	नम्बर य जो इस में
११/१/२५	<p>पताबली पेडा हुडे। बहल विद्वान अभिभावक उभयपक्ष धुनी जडी। जाधीगण के अभिभावक ने अपनी बहल मे कल की पक्षकारो के पुपुज मजमलान के खोल मे न न बीधा ६ थिखा रूमी दर्ज थी उसमे जोरमा, शिखू व मजचन्द के नाम ११३-११३ हिस्से की भूमि डानी पाहेमे थी जिसके अनुसार जोरमा के वारिस रेवड्या के २५ बीघा १५ थिखा के लभग जमीन डानी पाहेमे थी। परन्तु भू उद्यमके विभाग द्वारा रेवड्या को २.१५ हे० जो २४ बीघा ले जमादा हे देडी ०.१५ हे। पबकी मोक पर इनका ११३ पर कब्जा हे रेवड्या के नाम दर्ज ख. न. १५५७, १५५९ पर कब्जा रेवड्या के वारिसो का ना लेकर जाधी गण जहे। स्व पक्षकारो के मध्य पूर्वके मने मुकदमा रेवड्या १/५ हाथमा में भी प्रस्तुत शहीनामा अनुसार ख. न. १५५७ पर हाथमा का कब्जा रेवड्या ने स्वीकार किया था। इस प्रकार वादगुत्ते भूमि ख. न. १५५७, १५५९ पर जाधीगण अपने पूर्वजो के जमाने से काबिल पने आ रहे हे। इसकिल इल न्यायालय द्वारा जारी अंतरिम अर्थाई निवेदाजा को पबे के निर्णय तक थार्ड किया पबे।</p> <p style="text-align: center;">जाधीगण के विद्वान अभिभावक ने अपनी बहल मे कल की जाधीगण ने सफे में वकिल व्हालिमा की डाई-डी पेडा नली की थी २९. न. १५५७ व १५५९ जाधीगण की स्वालेकारी में दर्ज हे जो जाधीगण के पूर्वजो के जमाने से</p>	



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>खाते शरी में दर्ज वाली आ रही है। खातेदार के विरुद्ध अत्याई निवेदन जारी नहीं की जा सकती है। अतः टाई प्राधान्य पर अग्रिम क्रिया पावे।</p> <p>बहन पर मनन क्रिया गया। पतावली पर उपरोक्त अभिलेख का अपरोक्षण क्रिया वास्तव में वर्तमान में अपाधीनता की खातेदारी में नहीं है परन्तु प्राधान्य की ओर से प्रस्तुत अभिलेख के अनुसार अपाधीनता के पिता देवदत्त के नाम मुख्यालय के दौरान पूर्व के मुकाबले अधिक भूमि माना जातिल होता है। इस विरुद्ध का निर्धारण मूल दावे में विस्तृत लालच व लघुता के आधार पर हेतु है परन्तु पञ्जाब के मध्य मुकदमों की प्रवृत्ति को देखने के उद्देश्य से वास्तव में भूमि ख. नं. 1557 2कका 36 एयर ख. नं. 1559 2कका 43 एयर ग्राम सेवा के सम्बन्ध में इस सम्बन्ध में दावा पूर्व में जारी अंतरिम अत्याई निवेदन की मूल वाद के निर्णय तक कोई क्रिया जाना स्थित है।</p> <p>अतः प्राधान्य द्वारा प्रस्तुत टाई प्राधान्य पर स्वीकार करते हुए अपाधीनता को परिशेष अत्याई निवेदन मूल वाद के निर्णय तक वाक्य क्रिया जाना है कि वे भूमि ख. नं. 1557 2कका 36 एयर ख. नं. 1559 2कका 43 एयर ग्राम सेवा के प्राधान्य के अन्तर्गत के कच्चे काशन में व अपरोक्षण के कोई बाधा उत्पन्न नहीं करे तथा भौके व रिकॉर्ड की असाह्यता बनार रखे। पतावली केवल शुमार होकर नम्बर से कम होकर मूल वाद के साथ संलग्न रहे।</p>	


 जिला कलेक्टर
 बजीरपुर